

क,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

वा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तरांचल, हल्द्वानी।

देहरादून : दिनांक: 16 जनवरी, 2006

म एवं सेवायोजन विभाग

विषय: वित्तीय वर्ष 2005-06 में भगवानपुर, जनपद-हरिद्वार में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपरोक्त विषय के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद-हरिद्वार के भगवानपुर में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुये, इसके लिये प्रस्तावित तीन व्यवसाय फिटर, डाटा एन्ट्री आपरेटर, विद्युतकार हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद की भरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो से दिनांक: 28.02.2006 तक के लिये वशर्त की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जाये, को सृजित कियेज जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भगवानपुर, जिला-हरिद्वार हेतु पदों का विवरण :-

| क्र०सं० | पदों का नाम | स्वीकृत किये जाने वाले पदों की संख्या | वेतनमान |
|---------|------------------------|---------------------------------------|------------|
| 1. | कार्यदेशक श्रेणी-तीन | 01 | 6500-10500 |
| 2. | व्यवसाय अनुदेशक | 03 | 5000-8000 |
| 3. | अनुदेशक सामाजिक अध्ययन | 01 | 5000-8000 |
| 4. | अनुदेशक कला/गणित | 01 | 5000-8000 |
| 5. | सहायक भण्डारी | 01 | 4000-6000 |
| 6. | वरिष्ठ सहायक | 01 | 4000-6000 |
| 7. | भण्डार/कार्यशाला परिचर | 02 | 2610-3540 |
| 8. | चपरासी | 01 | 2550-3200 |
| 9. | चौकीदार | 02 | 2550-3200 |
| 10. | स्वच्छकार | 01 | 2550-3200 |
| | योग: | 14 | |

उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर व्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य मँहगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

| क0स0 | व्यवसाय का नाम | यूनिट | प्रशिक्षण स्थान |
|------|---------------------|-------|-----------------|
| 1. | फिटर | 01 | 16 |
| 2. | डाटा एन्ट्री आपरेटर | 01 | 20 |
| 3. | विद्युतकार | 01 | 16 |

उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्च हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 14,00,000.00 (रुपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

बजट व्यवस्था :-

धनराशि हजार रुपये में

| क0स0 | मद का नाम | आवश्यक धनराशि |
|------|---------------------------|---------------|
| 1. | 01-वेतन | 01 |
| 2. | 03-मँहगाई भत्ता | 01 |
| 3. | 04-यात्रा भत्ता | 01 |
| 4. | 06-अन्य भत्ते | 01 |
| 5. | 08-कार्यालय व्यय | 50 |
| 6. | 09-विद्युत देय | 50 |
| 7. | 10-जलकर/जल प्रभार | 01 |
| 8. | 11-लेखन सामग्री | 12 |
| 9. | 12-कार्यालय फर्नीचर/उपकरण | 01 |
| 10. | 13-किराया उपशुल्क | 01 |
| 11. | 21-छात्रवृत्ति/छात्रवेतन | 10 |
| 12. | 26-मशीने साज-सज्जा/उपकरण | 1200 |
| 13. | 42-अन्य व्यय | 70 |
| 14. | 48-मँहगाई वेतन | 01 |
| | योग: | 1400 |

- 4- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है, कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।
- 5- व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएसएण्डडी, की दसों एवं शर्तों, टेन्डर/कोट ऑफर आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रोड्र के एन0सी0वी0टी0 के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

- 6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक: 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।
- 7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या-16, मुख्य लेखा शीर्षक-2230-श्रम तथा रोजगार, 03-प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत-00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामें डाला जायेगा।
- 8- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: यू0ओ0: 70/वि0अनु0-5, दिनांक: 14.02.06 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(सोहन लाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 609 (1)/VIII/59-प्रशि/2005, तद्दिनांकित :-

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
- 3- वित्त अनुभाग-5
- 4- श्री एल0एम0 पंत, अपर सचिव, वित्त बजट, उत्तरांचल शासन।
- 5- उपनिदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की को इस आशय से प्रेषित कि वे कृपया उक्त सूचना को राजपत्र के आगामी अंक में प्रकाशित कर वांछित प्रतियाँ शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
- 6- निजी सचिव, मुख्य सचिव।
- 7- नियोजन विभाग।
- 8- एन0आई0सी0, सचिवालय, देहरादून।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(आर0के0 चौहान)
अनुसचिव।